भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 18 सितम्बर, 2025

जारी करने का समय: 1330 घंटे

विषय: आज 18 तारीख को उत्तराखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; अगले दो दिनों तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और 22 सितंबर, 2025 को असम और मेघालय में भारी से बहुत भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में 18 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, असम और मेघालय, तेलंगाना और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पश्चिम मध्य प्रदेश, ओडिशा, गुजरात क्षेत्र, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी:

- दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी रेखा 31°N/74°E, भटिंडा, फतेहाबाद, पिलानी, अजमेर, डीसा, भुज और 23°N/68°E से होकर गुजर रही है। **(अनुलग्नक II)**

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक III और IV देखें):

- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी बिहार और एक अन्य पूर्वोत्तर असम के ऊपर स्थित है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में मराठवाड़ा के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण स्थित है और एक द्रोणिका दक्षिण उत्तर प्रदेश के मध्य भागों से निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में मराठवाड़ा के ऊपर ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण तक बनी हुई है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक द्रोणिका दक्षिण महाराष्ट्र तट से पश्चिम-मध्य और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है।
- मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में दक्षिण आंतरिक कर्नाटक के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वी एवं मध्य भारत:

- 18 तारीख को पूर्वी मध्य प्रदेश में; 18 और 19 तारीख को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 18-20 सितंबर के दौरान अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार में भारी वर्षा की संभावना; 18 और 19

तारीख को अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और 18 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

- ❖ अगले 5-6 दिनों के दौरान पूर्वी भारत में गरज के साथ छींटे पड़ने और तेज़ हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 18-20 तारीख के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 18 से 24 सितंबर के दौरान असम और मेघालय में और 19 से 24 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में भारी वर्षा की संभावना है। 22 सितंबर को असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 18 सितंबर को हिमाचल प्रदेश और उत्तर प्रदेश में; 18 और 19 सितंबर को उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। 18 सितंबर को उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा हो सकती है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 18 सितंबर को केरल और माहे, रायलसीमा, तेलंगाना, कर्नाटक में और 18, 19 और 21 सितंबर को तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा के साथ कई स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।
- ❖ अगले 5 दिनों के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में तेज़ सतही हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटे की गति) चलने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ अगले 5 दिनों के दौरान इस क्षेत्र में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा/गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। 18 सितंबर को कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और 18 व 19 सितंबर को गोवा में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को 18 से 23 सितंबर के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

18 से 23 सितंबर के दौरान पश्चिम-मध्य, दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्से, सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास; 18 से 21 सितंबर के दौरान उत्तरी ओमान और आसपास के समुद्री क्षेत्रों के साथ;18 सितंबर को दक्षिण कोंकण, गोवा तटों के साथ और उसके आसपास, आसपास के समुद्री क्षेत्र में न जाने की सलाह दी जाती है।

बंगाल की खाड़ी:

18 और 20 सितंबर के दौरान दक्षिण श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्से और 20 से 23 सितंबर के दौरान श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी से सटे; 18 सितंबर को दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्से; 19 से 22 सितंबर के दौरान बंगाल की खाड़ी के दक्षिण के कई हिस्से; 22 सितंबर को बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे दक्षिण-पूर्व के कई हिस्से; 18 से 23 सितंबर के दौरान मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन क्षेत्र; 18 से 22 सितंबर के दौरान अंडमान सागर के ऊपर न जाने की सलाह दी जाती है।

ii. 18 सितम्बर से 21 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक V)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- असम और मेघालय: विलियमनगर (जिला पूर्वी गारो हिल्स) 19, विलियमनगर_एडब्ल्यूएस (जिला पूर्वी गारो हिल्स) 14, भागमारा (जिला दक्षिण गारो हिल्स) 8, धेमाजी (जिला धेमाजी) 8, चौलधुवाघाट अर्ग (जिला लखीमपुर) 7;
- उत्तराखंड: नरेंद्रनगर (जिला गढ़वाल टिहरी) 17, मसूरी (जिला देहरादून) 12, सामा (जिला बागेश्वर) 9, देहरादून (जिला देहरादून) 8, भगवानपुर (जिला हरद्वार) 7, हरिपुर (जिला देहरादून) 7;
- तेलंगाना: अंबरपेट (जिला हैदराबाद) 15, वारंगल (जिला सिद्दीपेट) 11, हैदराबाद ए.पी. (जिला हैदराबाद) 11, गोलकुंडा (एआरजी) (जिला हैदराबाद) 10, शेकपेट (जिला हैदराबाद) 10, कावेरी सिद्दीपेट (ए) (जिला सिद्दीपेट) 10, हिमायतनगर (जिला हैदराबाद) 10, मेटपल्ले (जिला जगतियाल) 8, कांडी (ए) (जिला संगारेड्डी) 7, आत्मकुर एम (जिला वाई. भुवनगिरी) 7;
- हिमाचल प्रदेश: नैना दवी (जिला बिलासपुर) 14, बिलासपुर सदर (जिला बिलासपुर) 12, काहू (जिला बिलासपुर) 9, नाहन (जिला सिरमौर) 8;
- पूर्वी मध्य प्रदेश: जयसिंह नगर (जिला शहडोल) 13, हट्टा (जिला दमोह) 10;
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: धरला वैली टी एस्टा (जिला जलपाईगुड़ी) 13, घाटिया टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 10, आर्यमान टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 10, महुआ टी एस्टेट अर्ग (जिला अलीपुरद्वार) 7, ऊदलाबाड़ी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 7, तोरसा टी गार्डन (जिला अलीपुरद्वार) 7;
- रायलसीमा: प्रोद्दुत्तूर (जिला वाईएसआर जिला) 12, कडप्पा (जिला वाईएसआर जिला) 12, चिलमथुर (जिला श्री सत्यसाई जिला) 9, थंबलापल्ले (जिला अन्नामय्या जिला) 9, सांबेपल्ले (जिला अन्नामय्या जिला) 8, राजू पालेम (जिला वाईएसआर जिला) 8, पुलिवेंदला (जिला वाईएसआर जिला) 8, वल्लूर (जिला वाईएसआर जिला) 8, कमलापुरम (जिला वाईएसआर जिला) 8, अल्लागड्डा (जिला नंद्याल) 7, लेपाक्षी (जिला श्री सत्यसाई जिला) 7, वेम्पल्ले (जिला वाईएसआर जिला) 7;
- बिहार: सुपौल (जिला सुपौल) 12, डुमरा (जिला सीतामढी) 12, बथनाहा (जिला सीतामढी) 9, त्रिबेनी/बाल्मीकिनगर (जिला पश्चिमी चंपारण) 8, सौलीघाट (जिला मधुबनी) 8, नावकोठी (जिला बेगुसराय) 7, ढेंगब्रिज (जिला सीतामढी) 7;
- हरियाणा: ताजेवाला (जिला यमुनानगर) 11, प्रतापनगर रेव (जिला यमुनानगर) 10;
- पूर्वी उत्तर प्रदेश: लखनऊ (हि.स.) (जिला लखनऊ) 9, फ़तेहपुर तहसील (जिला बाराबंकी) 7, पट्टी (जिला प्रतापगढ़) 7;
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: मवाना (जिला मेरठ) 9, जानसठ (जिला मुजफ्फरनगर) 7;
- पश्चिम मध्य प्रदेश: मुलताई (जिला बैतूल) 9, पीथमपुर (जिला धार) 8, सुल्तानपुर (जिला रायसेन) 8, इटारसी (जिला नर्मदापुरम) 8, हातोद (जिला इंदौर) 7, कोलार (जिला भोपाल) 7, महिदपुर (जिला उज्जैन) 7, नवीबाग एट (जिला भोपाल) 7, घाटिया (जिला उज्जैन) 7, जावर (जिला सीहोर) 7, भैंसदेही (जिला बैतूल) 7;
- उत्तरी आंतरिक कर्नाटक: कक्केरी (जिला यादगीर) 9, केम्भवी (जिला यादगीर) 9, येद्रमी (जिला कलबुर्गी) 9, मुद्गल (जिला रायचूर) 7;
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: गुब्बी (जिला तुमकुरु) 8, येलहंका (जिला बेंगलुरु शहरी) 7;
- ओडिशा: औल (जिला केंद्रपाड़ा) 8, समाखुंटा (जिला मयूरभंज) 7;
- तमिलनाडु: उथुकोट्टई (जिला तिरुवल्लूर) 8, तिरुप्पुर दक्षिण (जिला तिरुप्पुर), अलंगयम (जिला तिरुपथुर), चिन्नाकलार (जिला कोयंबटूर) 7 प्रत्येक;
- मध्य महाराष्ट्र: त्र्यंबकेश्वर (जिला नासिक) 8;
- गुजरात क्षेत्र: सूरत शहर (जिला सूरत) 7;
- कोंकण और गोवा: गुहागढ़ (जिला रत्नागिरी) 7;
- तटीय कर्नाटक: बेलथांगडी (जिला दक्षिण कन्नड़) 7, सिद्दापुरा (जिला उडुपी) 7।

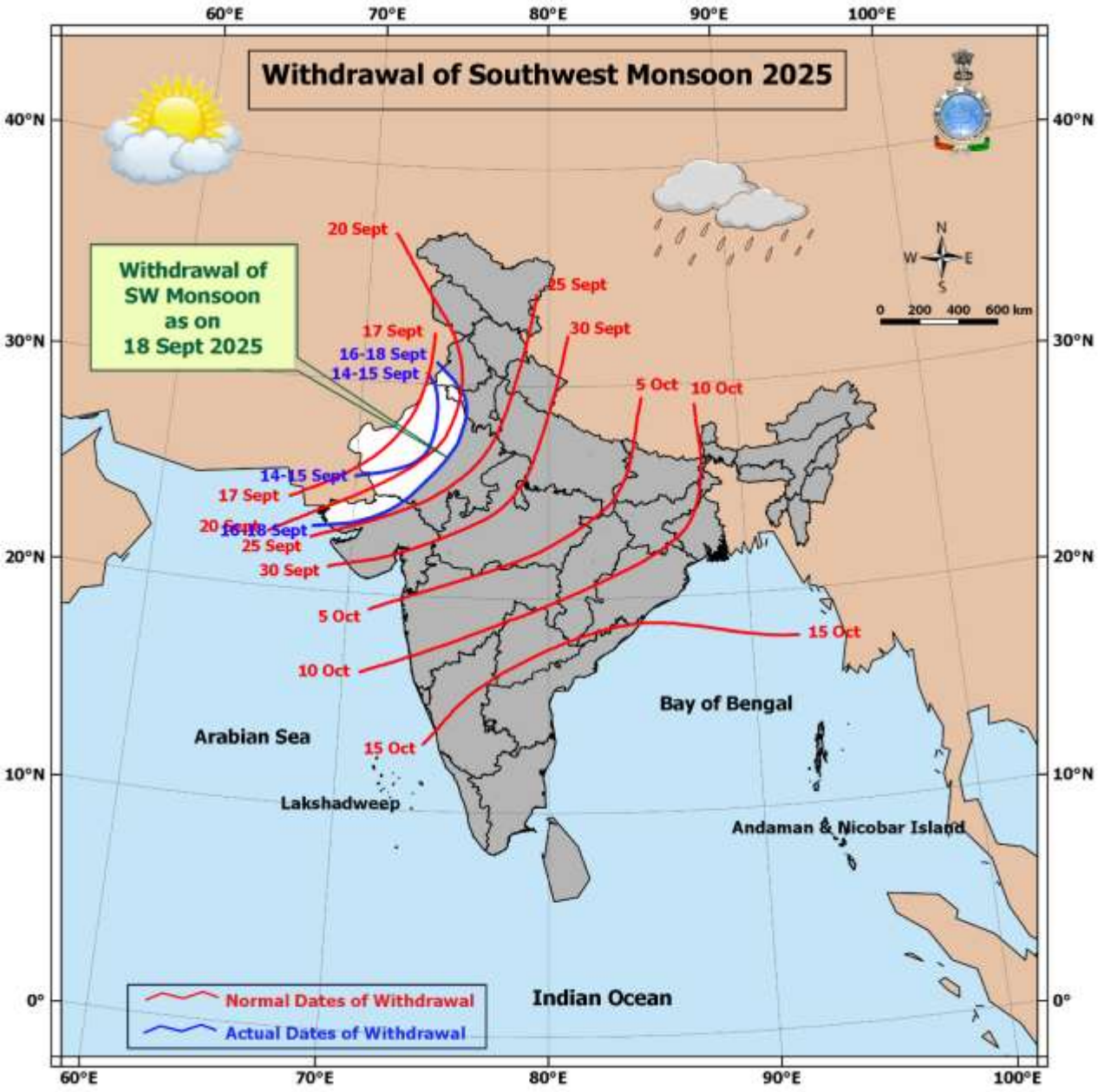
Withdrawal of Southwest Monsoon 2025
Withdrawal of SW Monsoon as on 18 Sept 2025
20 Sept
25 Sept
30 Sept
17 Sept
16-18 Sept
14-15 Sept
5 Oct
10 Oct
15 Oct
Arabian Sea
Bay of Bengal
Lakshadweep
Andaman & Nicobar Island
Indian Ocean
Normal Dates of Withdrawal
Actual Dates of Withdrawal
0 200 400 600 km
60°E
70°E
80°E
90°E
100°E
40°N
30°N
20°N
10°N
0°

अनुलग्नक III

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	18- Sep	19- Sep	20- Sep	21- Sep	22- Sep	23- Sep	24- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT
8	JHARKHAND	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
21	GUJRAT REGION	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
25	MARATHWADA	SCT	SCT	ISOL	SCT	FWS	SCT	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS

• जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

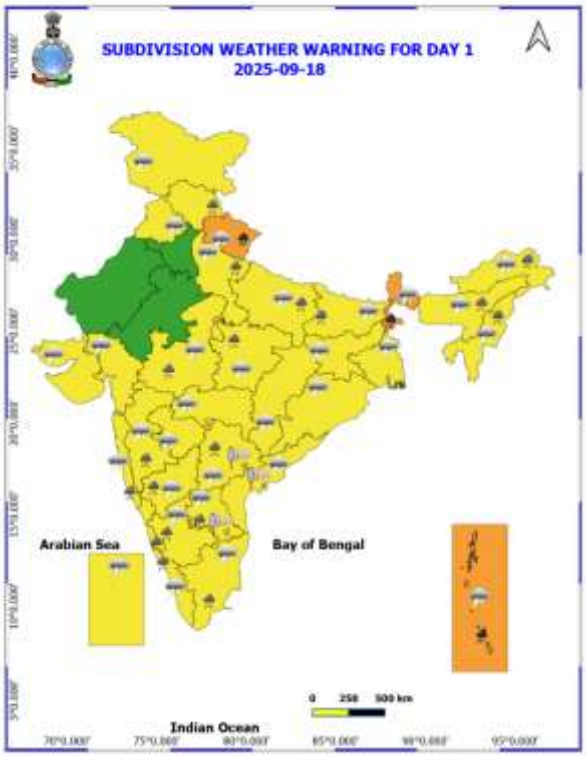
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-18
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

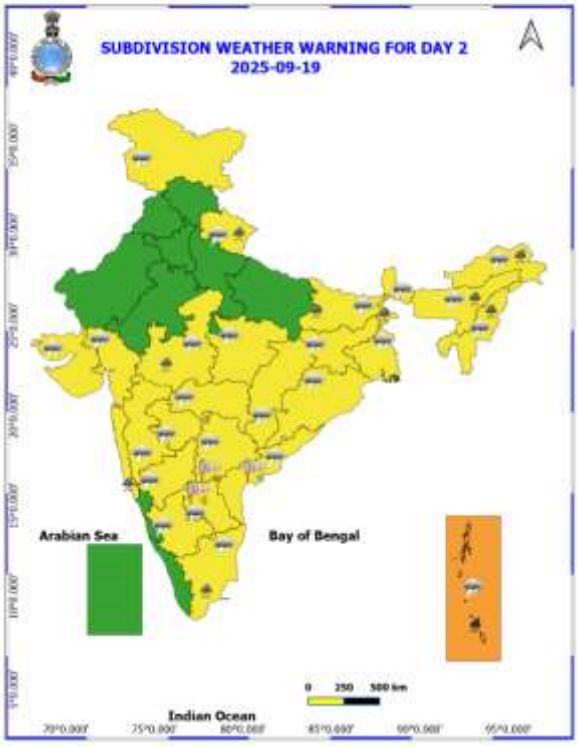
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-09-19
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

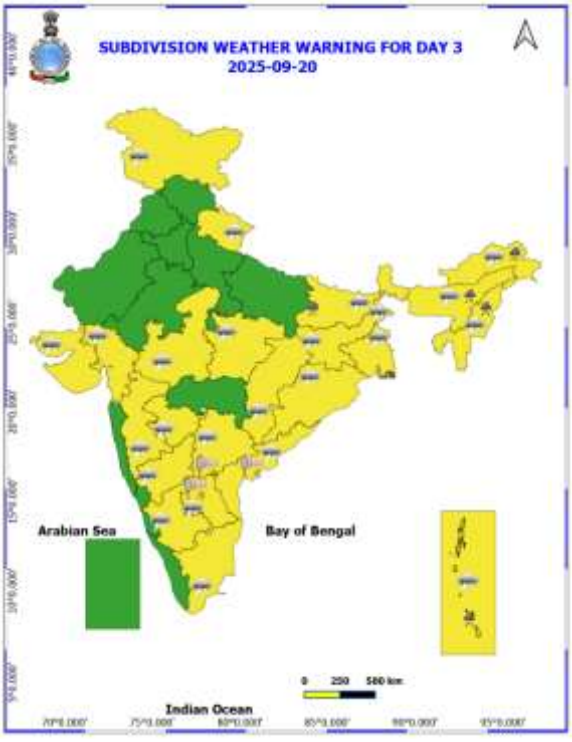
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-20
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

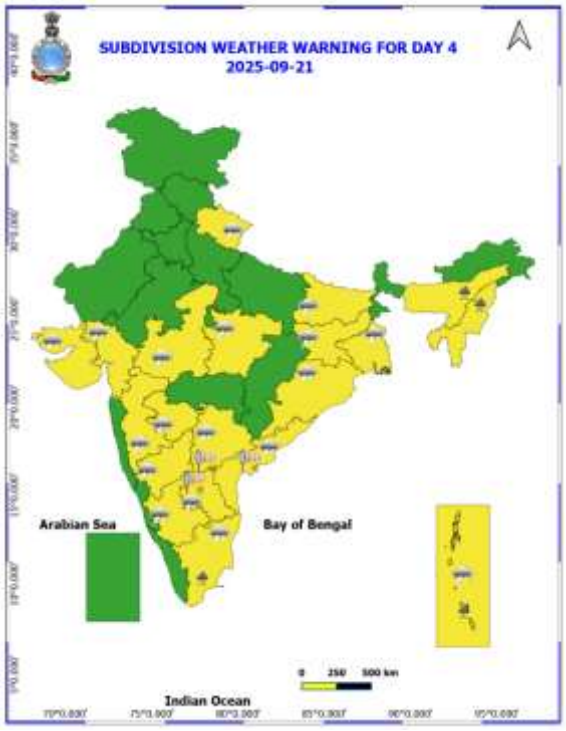

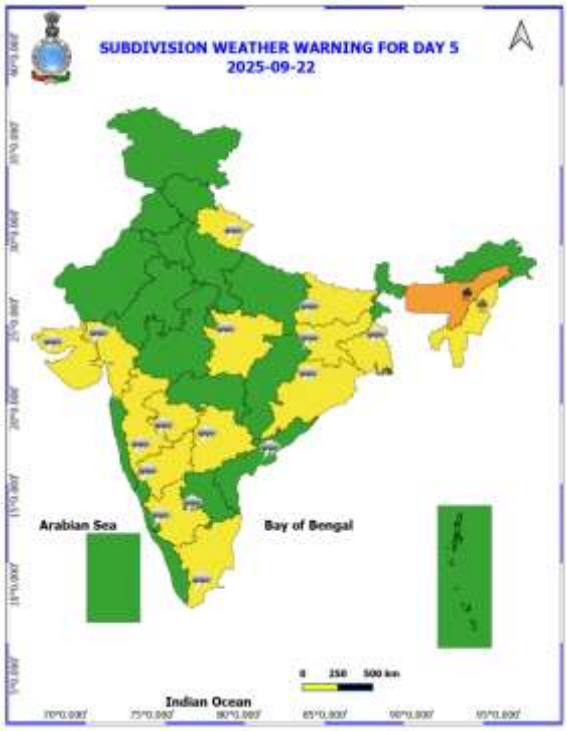

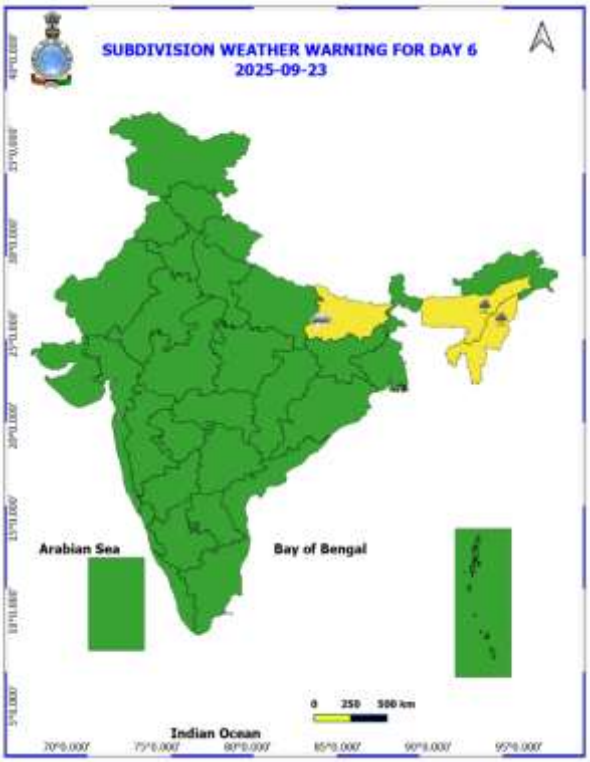

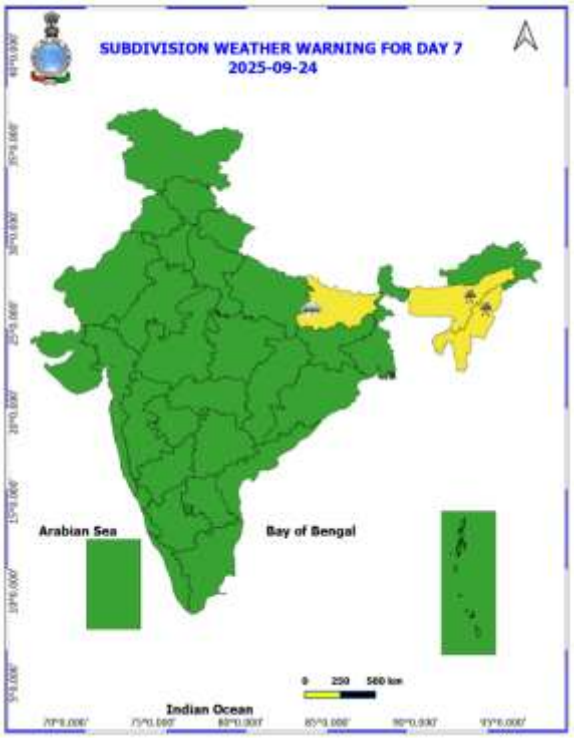

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक V

18 से 21 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और अधिकतम तापमान में 1°C तक की गिरावट दर्ज की गई है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 35°C और 24 से 25°C के आसपास रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान लगभग सामान्य रहे। पिछले 24 घंटों के दौरान आंशिक रूप से बादल छाए रहे और उत्तर-पश्चिम/दक्षिण-पूर्व दिशा से 16 किमी प्रति घंटे की गति से सतही हवाएँ चलीं। दिल्ली में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश/गरज के साथ बौछारें और कुछ स्थानों पर मध्यम बारिश दर्ज की गई। आज दोपहर तक इस क्षेत्र में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम की गति से हवाएँ चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

18.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय कुछ स्थानों पर एक या दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान 33 से 35°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से प्रमुख सतही हवाएँ 10-15 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा की गति 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

19.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर एक या दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35°C और 23 से 25°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवाएँ दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिनकी गति 8-12 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पूर्व दिशा से हवा की गति कम होकर 12 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

20.09.2025: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक अधिक रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवाएँ उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिनकी गति 10-15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर में उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 18 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 10 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

21.09.2025: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36°C और 24 से 26°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से 1-2°C तक अधिक रहेगा। सुबह के समय मुख्य सतही हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 16-20 किमी प्रति घंटे की गति से चलने की संभावना है। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी।

अत्यधिक भारी वर्षा/बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 18 सितम्बर को उत्तराखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 18 और 19 सितम्बर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तथा 22 सितम्बर को असम और मेघालय में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।
- सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।

- कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- उत्तराखंड में, उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में मूंग, उड़द, सोयाबीन, सनवा और रागी के खेतों से तथा पहाड़ी क्षेत्र में, अरहर और सब्जी फसलों से अतिरिक्त जल निकासी करें। नैनीताल जिले में, धान, मक्का, रागी, अरहर, सोयाबीन, मूंग, उड़द और सब्जियों के खेतों से उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मध्य पर्वतीय उप आर्द्र क्षेत्र उच्च में सब्जियों के खेतों और फलों के बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें| काटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, तराई क्षेत्र में धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें और पहाड़ी क्षेत्र में मूंग, उड़द, रागी, डैली खोरसानी, सब्जियों और फलों के बागों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था बनाएं रखें।
- बिहार में, उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र में चावल और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की उचित निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में, चावल, सोयाबीन, मक्का, कपास, गन्ना और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी करें।
- महाराष्ट्र में, कोंकण में, धान, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा मध्य महाराष्ट्र में धान, गन्ना, अरहर, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी व्यवस्था बनाएं रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में, खड़ी फ़सलों जैसे धान, सोयाबीन, रागी एवं सब्ज़ियों तथा फलों के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें। धान, मक्का, मिर्च और केले की कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखें।
- असम में, बराक घाटी क्षेत्र में चावल और पहले से बोई गई उड़द की फसल से; तथा उत्तरी तटीय मैदानी क्षेत्र में, धान, तिल और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी की निकासी सुनिश्चित करें। निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, साली धान के खेतों तथा सब्जियों की नर्सरी क्यारियों में उचित जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करें। भारी वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलीथिन से ढक दें। ऊपरी ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, परिपक्व सब्जियों और फलों की कटाई करें और उन्हें सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करें तथा खड़ी फसल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करें।
- मेघालय में, धान, सब्जी की नर्सरी और अदरक से अतिरिक्त पानी निकाल दें। केला, पपीता, कद्दू आदि जैसी ऊँची और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने हेतु सहारा प्रदान करें।
- तेलंगाना में, धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल निकासी बनाएं रखें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा: >**204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

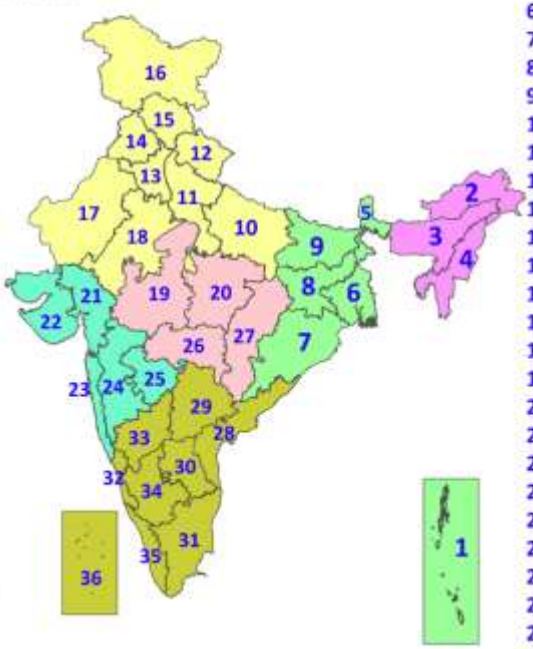

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)